बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 160 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 24 जून 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

महिला से अभद्रता व जान से मारने की धमकी का आरोप, एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

बुलंदशहर में ग्राम गेसुपुर निवासी एक महिला ने गांव के ही तीन दबंग युवकों पर जबरन घर में घुसकर अभद्रता करने, कपड़े फाड़ने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता इमराना पत्नी यासीन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर को शिकायती पत्र सौंप कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि पीड़िता के घर के पीछे स्थित उनके पति की पुश्तैनी जमीन पर गांव के तालिब पुत्र सईद, जैद पुत्र तैय्यब व शकील निवासी बसी ने जबरन कब्जा कर दीवार खड़ी कर गेट लगवा लिया है।

दिल्ली में हथियारों की खेप लेकर आया तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, । दक्षिण-पूर्वी ज़िले की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अर्श डल्ला गैंग से जुड़े हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से चार पिस्तौल और तीन मैगजीन बरामद की हैं। ये हथियार पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर परमजीत सिंह उर्फ पम्मा भिखी को सप्लाई किए जाने थे। जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विरोधी अर्श डल्ला गैंग का अहम हिस्सा है। एडिशनल डीसीपी एश्वर्या शर्मा ने बताया कि पुलिस को पिछले कुछ समय से सूचना मिल रही थी कि दिल्ली व पंजाब में सक्रिय अपराधी मध्यप्रदेश से अवैध हथियार मंगवाकर उनका उपयोग गैंगवार और अन्य आपराधिक गतिविधियों में कर रहे हैं।

इसी कड़ी में एसटीएफ टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के माध्यम से इनपर कड़ी नजर रखना शुरू किया। 18 जून को एसटीएफ को पुख्ता जानकारी मिली कि एकमजोत सिंह संधू नामक युवक बुरहानपुर (मध्यप्रदेश) से हथियार लेकर दिल्ली होते हुए पंजाब जा रहा है और ओखला स्थित ईएसआई अस्पताल के पास अपने नेटवर्क से मिलने वाला है। इस पर इंस्पेक्टर शिव कुमार की अगुवाई में एक टीम गठित की गई जिसमें एसआई जितेन्द्र, एएसआई मुकेश, तरुण, हेडकांस्टेबल कपिल शामिल थे। टीम ने रात 10:05 बजे बस स्टैंड के पास संदिग्ध को दबोच लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान सरदूलगढ़, जिला मानसा, पंजाब निवासी एकमजोत सिंह संधू (18) के रूप में हुई है। जांच में सामने आया है कि आरोपित ने हाल ही में यूएई में रह रहे अर्श डल्ला गिरोह के सदस्य बब्बू डलेमा से संपर्क किया था और गैंग में शामिल होने की इच्छा जताई थी। बब्बू डलेमा ने एकमजोत को पंजाब निवासी परमजीत सिंह उर्फ पम्मा भिखी से जोड़ा, जो सुखा दुनेके (2023 में कनाडा में मारा गया) का करीबी और अर्श डल्ला का सहयोगी है। बब्बू डलेमा के निर्देश पर एकमजोत ने व्हाट्सऐप के वर्चुअल नंबर के जरिए हथियारों की खेप मध्यप्रदेश से मंगाई और उसे पंजाब में सप्लाई करने जा रहा था। पुलिस अब आरोपित से गैंग के अन्य सदस्यों, सप्लायर और रिसीवर के बारे में पूछताछ कर रही है।

भीख मंगवाने के लिए चार साल की मासूम अगवा

नई दिल्ली, । मध्य जिले के चांदनी महल इलाके में एक महिला ने भीख मंगवाने के लिए चार साल की मासूम बच्ची को अगवा कर लिया। महिला बच्ची को लेकर अपने गांव बाराबंकी पहुंच गई।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस की टीम उसकी तलाश में उप्र पहुंच गई। महिला को जैसे ही पुलिस के आने का पता चला वह बाराबंकी से निकलकर वापस दिल्ली पहुंच गई।टीम ने महिला को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बाहर निकलते ही पकड़ लिया। पकड़ी गई आरोपित महिला की पहचान भगतपुर, बाराबंकी, निवासी बरखा (40) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से मासूम को सकुशल बरामद कर लिया है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वालसन ने बताया कि 18 जून को चांदनी महल थाने में दंपती ने अपनी चार साल की बच्ची के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। दंपती ने बताया कि शाम के समय दोनों अपने काम में व्यस्थ थे। इस बीच उनकी बच्ची खेल रही थी। किसी ने उसको अगवा कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर मासूम अकेली दिल्ली गेट संचार भवन के पास जाती हुई दिखी। इस बीच मुखबिर से जानकारी जुटाई गई। पुलिस को पता चला कि एक महिला भिखारी ने मासूम को अगवा कर लिया है और वह उसे अपने गांव बाराबंकी ले गई है।

एकल मां के बच्चों को ओबीसी का प्रमाण पत्र देने की मांग

नई दिल्ली, । सुप्रीम कोर्ट ने सिंगल मदर के बच्चों को ओबीसी का प्रमाण पत्र देने के लिए वर्तमान नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है। जस्टिस केवी विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने कहा कि ये याचिका महत्वपूर्ण है और इस मामले पर विस्तृत सुनवाई की जरुरत है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अगर मां ओबीसी है और वो बच्चे का अकेले पालन कर रही है, तो उसे जाति प्रमाण पत्र के लिए पिता के जाति की जरुरत क्यों होनी चाहिए। बच्चे को मां की जाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र क्यों नहीं मिलनी चाहिए।

दिल्ली-पंजाब में मोबाइल टावर उपकरण की चोरी में वांछित आरोपित

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (सेंट्रल रेंज) की टीम ने एक अंतरराज्यीय शातिर अपराधी शावेज अहमद उर्फ प्रिंस उर्फ प्रिंस मलिक (27) को गिरफ्तार कर एक बड़े मोबाइल टावर उपकरण चोरी रैकेट का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने उसके कब्जे से एक चोरी किया हुआ रिमोट, रेडियो, 4 लाख रुपये नकद और चोरी में प्रयुक्त कार बरामद की है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार तकनीकी इनपुट्स और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपित की पहचान और लोकेशन ट्रेस की।

डीसीपी के अनुसार पुलिस टीम ने तीन दिन तक पंजाब और उप्र में सघन अभियान चलाकर आखिरकार दिल्ली-हरिद्वार हाईवे स्थित खतौली, मुजफ्फरनगर से आरोपित को दबोचा।

जांच में पता चला है कि पकड़ा गया आरोपित शावेज अहमद, मूल रूप से बाबा दीप सिंह कॉलोनी राजपुरा (पंजाब) का निवासी है। वह अक्सर अपना नाम और पता बदलकर दिल्ली, मेरठ और उप्र में ठिकाने बदलता रहता था। उसने ह्यप्रिंस मलिकह्ण के नाम से फर्जी पहचान बनाकर कई ठिकानों से चोरी किए गए मोबाइल कम्युनिकेशन उपकरण की आपूर्ति की थी। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने केवल 8वीं कक्षा तक पढ़ाई की है और शुरू में जूते की दुकान में काम करता था। इसके बाद स्क्रैप डीलर बनकर उसने मोबाइल टावर मशीनरी चोरी का धंधा शुरू किया क्योंकि इसमें कम मेहनत में ज्यादा मुनाफा नजर आया।

ट्रैफिक पुलिस का सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के संदेश के साथ राजधानी में जागरूकता कार्यक्रम तेज

नई दिल्ली, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए राजधानी भर में बड़े स्तर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। ट्रैफिक पुलिस के इन अभियानों में छात्रों से लेकर साइकिल सवारों, ऑटो/टैक्सी चालकों, सार्वजनिक परिवहन कर्मियों और आम नागरिकों को यातायात नियमों, महिला सुरक्षा और अनुशासित ड्राइविंग के महत्व को लेकर जागरूक किया गया।

गगन सिनेमा और हनुमान लेन इलाकों में साइकिल चालकों के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस साइकिल दृश्यता एवं सुरक्षा अभियान के तहत 112 साइकिल चालकों को सुरक्षित साइकिल चलाने की जानकारी दी गई और उनकी साइकिलों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए ताकि रात के समय वे स्पष्ट रूप से दिखाई दें और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। शिवाजी स्टेडियम पर 23 ऑटो व टैक्सी चालकों को स्टॉप लाइन पर रुकने, गति सीमा का पालन करने, लेन ड्राइविंग, महिला सुरक्षा और यात्रियों के प्रति शालीन व्यवहार जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। यह सत्र ट्रैफिक पुलिस द्वारा ह्यजीरो मिशन डेथ ऑन रोडह्ण के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया।नंद नगरी डीटीसी डिपो में तीन चरणों में आयोजित इस कार्यक्रम में 35 डीटीसी व 30 क्लस्टर बस चालकों समेत 6 अधिकारियों को यातायात नियमों, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, सुरक्षित ब्रेकिंग और सड़क पर आचरण को लेकर प्रशिक्षित किया गया।

डेटिंग ऐप पर दोस्ती करना पड़ा भारी, दो आरोपित

नई दिल्ली, शाहदरा इलाके में ह्यक्वैकक्वैकह्ण नामक एक डेटिंग ऐप से युवक को दोस्ती करना भारी पड़ गया। शातिर आरोपितों ने फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर पीड़ित से 35 हजार रुपये ठग लिए। आरोपितों ने पीड़ित को वीडियो कॉल किया। जिसमें एक महिला न्यूड थी इस बीच आरोपितों ने पीड़ित का वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपित लगातार रुपये मांगते रहे। इधर पीड़ित ने हिम्मत कर मामले की सूचना पुलिस को दी। शाहदरा साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान राजस्थान निवासी श्याम सिंह (21) और अलीपुर निवासी मंगल सिंह (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड बरामद किए हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम के अनुसार 12 जून को शिकायतकर्ता लोनी निवासी अंकित कुमार ने शाहदरा पुलिस को दी शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने बताया कि वह कुछ दिनों पहले डेटिंग ऐप ह्यक्वैकक्वैकह्ण पर एक युवती के संपर्क में आए। लड़की ने अपना नाम नंदिनी बताया था। बातचीत का सिलसिला व्हाट्सएप पर बढ़ा और फिर युवती ने उसे वीडियो कॉल किया। कॉल पर युवती न्यूड थी जबकि स्क्रीन के दूसरी तरफ उनका चेहरा साफ नजर आ रहा था। युवती ने इस कॉल की रिकॉर्डिंग कर ली और बाद में धमकी दी कि अगर पैसे नहीं भेजे तो वह यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगी। पीड़ित ने डर के मारे आरोपितों द्वारा दिए गए अकाउंट में 35 हजार रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद भी और पैसे मांगे जाने लगे तो पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआई श्वेता शर्मा की देखरेख में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने टीम ने बैंक अकाउंट की डिटेल्स, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी की जांच की तो पता चला कि शिकायतकर्ता द्वारा ट्रांसफर की गई रकम बंधन बैंक के अकाउंट में गई है। यह अकाउंट मंगल सिंह के नाम पर खुलवाया गया था, लेकिन इसे श्याम सिंह नामक व्यक्ति द्वारा ऑपरेट किया जा रहा था।

भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि श्रद्धासुमन अर्पित किए

नई दिल्ली, जनसंघ के संस्थापक एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद पार्क में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धासुमन अर्पित किये। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अगर राष्ट्रीयता को समझना हो, राष्ट्रीय नीति समझना हो या फिर भारतीय राजनीति या संस्कृति समझनी है तो डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन को जरूर पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह एक महान विचारक, निर्भीक एवं आजाद भारत के पहले शहीद नेता और एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे।

सचदेवा ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो संविधान पर उस वक्त की तत्कालीन सरकार के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मृत्यु के बाद उनकी माता ने एक पत्र उस वक्त के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु को लिखा था। पत्र में स्पष्ट लिखा गया था, ह्मैं कोई सफाई नहीं बल्कि जांच चाहती हूं।ह्ण उन्होंने कहा कि उनकी मां ने पत्र में साफ तौर पर पंडित नेहरू पर आरोप लगाया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु की जिम्मेदार तत्कालीन सरकार थी। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन सपनों को देखा था उन सपनों को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि धारा 370 हटाकर प्रधानमंत्री ने दी है।

राष्ट्र टाइम्स ने मनाया पत्रकारिता का 45 वर्ष का गौरवशाली सफर, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में हुआ भव्य आयोजन

नई दिल्ली ,(ऐ क चौधरी) प्रेस क्लब, ऑफ ईंडिया

देश के प्रतिष्ठित साप्ताहिक समाचार पत्रों में शुमार राष्ट्र टाइम्स ने आज अपना 45वां स्थापना दिवस नई दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ ईंडिया में एक गरिमामय समारोह के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से नामचीन हस्तियों ने हिस्सा लिया और अखबार की निडर, मूल्यनिष्ठ और जनसरोकार से जुड़ी पत्रकारिता की सराहना की।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद अतिथियों के स्वागत और राष्ट्र टाइम्स की चार दशकों की लंबी यात्रा पर आधारित विशेष स्मृति-पत्रिका का विमोचन किया गया।

संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी ने अपने संबोधन भाषण में कहा-

÷जब हमने राष्ट्र टाइम्स की शुरुआत की थी, तब सिर्फ एक सपना था–सच के साथ खड़ा रहने का। आज 45 साल बाद भी हमारी प्रतिबद्धता वही है। इस मंच पर आज जो कुछ भी है, वह हमारे पाठकों, लेखकों और सहयोगियों की साझी निष्ठा का नतीजा है।

इस अवसर पर प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री गौतम लाहिरी, पूर्व सांसद श्री जयप्रकाश अग्रवाल, पूर्व सांसद श्री जे.के. जैन, दिल्ली के पूर्व मंत्री श्री रमाकांत गोस्वामी, श्री अनिल वाजपेयी, पूर्व विधायक; डॉ. योगानंद शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा, डीपीसीसी के संचार प्रमुख श्री अनिल भारद्वाज, उत्तराखंड विधायक श्री किशोर उपाध्याय, पीसीआई के महासचिव श्री नीरज ठाकुर, विजय कुमार भारती, संपादक, अशोका एक्सप्रेस तथा श्री जितेन्द्र सिंह शंटी, पद्मश्री सम्मानित समाजसेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित रहे।

श्री गौतम लाहिरी ने कहा-

÷आज जब मीडिया के एक बड़े हिस्से पर व्यावसायिक दबाव है, ऐसे में राष्ट्र टाइम्स जैसी पत्रिकाएं संतुलन और विवेक का मंच देती हैं। यह सिर्फ अखबार नहीं, लोकतंत्र का दस्तावेज़ है। विजय शंकर चतुर्वेदी जी का प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के विकास में जो योगदान रहा है, वह प्रशंसा के योग्य है, आज हम जो प्रेस क्लब देखते हैं, उसमें उनकी वर्षों की प्रतिबद्धता, नेतृत्व और संस्थागत सोच की अहम भूमिका रही है।÷

वहीं श्री जय प्रकाश अग्रवाल ने अख़बार की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा-

÷45 वर्षों तक बिना समझौते के काम करना अपने आप में बड़ी बात है। राष्ट्र टाइम्स ने यह साबित किया है कि निष्पक्ष पत्रकारिता आज भी संभव है।÷

श्री जे.के. जैन ने कहा-

÷इस पत्रिका ने समय के साथ कदम मिलाया है, लेकिन अपनी बुनियादी सोच से कभी नहीं डिगी। यह आज भी उस पीढ़ी की पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करती है, जो समाज के प्रति जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानती है।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता, साहित्य, समाज सेवा और जनजीवन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 25 से अधिक विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इनमें वरिष्ठ पत्रकार श्री संजय गोयल, सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र यादव, वरिष्ठ पत्रकार श्री देव सागर सिंह, लेखिका एवं संगीत शिक्षिका श्रीमती नैन भारती, सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री राखी अरोड़ा, गांधी विचारक श्री रमेश चंद शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री आलोक गौड़ और सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री सुनीता धवन प्रमुख रहे।

कार्यक्रम के समापन पर संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी ने सभी आगंतुकों, पाठकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा-

÷हमारे लिए यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमारी कोशिश आगे भी यही रहेगी कि हम सच के साथ खड़े रहें, लोगों की आवाज़ बनें, और पत्रकारिता के मूल्यों को जिंदा रखें।

त्वरित टिप्पणी : अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर

ईरान और इजरायल की जंग में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर देर रात बी 2 बांबर बम से हमला करके भारी तबाही मचाई है। अमेरिका ने ईरान और इजरायल युद्ध के लिए बी 2 बॉम्बर, पनडुब्बी मिसाइलों के जरिए सुनियोजित रूप से ईरान पर हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोरडो, नतांज और इस्फहान पर विनाशकारी हमले का दावा करते हुए कहा है, कि यह हमला शांति के लिए किया गया है।\अमेरिका के इस जंग में कूदने के बाद तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से सारी दुनिया में अफरा-तफरी मच गई है। ईरान सरकार ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी देते हुए कहा है, ईरान अब चुन-चुन कर अमेरिकी ठिकानों पर सीधे हमले करेगा। अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों के माध्यम से भारी बमबारी शुरू कर दी है। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी नौ सैनिक बेडे. तथा फ्रांस के जहाजों को निशाने पर ले लिया है। इन पर कभी भी ईरान का भारी हमला हो सकता है। ईरान इस समय डू एंड डाई की आक्रामक मुद्रा में है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने तीन उत्तराधिकारी घोषित करके अपने तेवर बता दिए हैं। उनके आक्रामक तेवर देखकर पता चलता है कि ईरान इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक लेकर जाएगा। ईरान और इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूद जाने के बाद सारे विश्व में इसकी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारे विश्व में अपनी बादशाहत कायम करना चाहते हैं। वह जिस तरह का व्यवहार दुनिया के अन्य देशों के साथ कर रहे हैं। उसके बाद चीन-रूस जैसे शक्तिशाली देश अमेरिका को पहले ही चेतावनी दे चुके थे। युद्ध में यदि अमेरिका कूदेगा, ऐसी स्थिति में चीन और रूस खुलकर ईरान के पक्ष में खड़े होंगे। सारी दुनिया के देशों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दादागिरी कर रहे हैं। उसको लेकर दुनिया के देशों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध बढ़ता चला जा रहा है। यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि चीन और रूस खुले रूप से ईरान के पक्ष में न केवल खड़े होंगे वरन जरूरत पड़ने पर वह ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में खुद भी कूद जाएंगे।

अमेरिका जिस तरह से पूरी दुनिया का दादा बनना चाहता है। चीन, रूस समेत कई देशों को अमेरिका की यह दादागिरी बर्दाश्त नहीं है। इस कारण तृतीय विश्वयुद्ध जैसी संभावना बनती दिख रही है। ऐसी स्थिति में रूस-चीन और उत्तर कोरिया के ईरान के पक्ष में युद्ध के मैदान में उतरने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिका अपने खुद के मकड़जाल में पूरी तरह से फंस गया है, जिससे निकलने का रास्ता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नहीं मिल रहा है।

आपातकाल विस्मृत न हो

अंग्रेजों से आजाद होने के बाद भारत लोकतांत्रिक देश तो बन गया, लेकिन ठीक 25 साल बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से थोपी गई इमरजेंसी में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ गई थी। 25 जून, 1975 की आधी रात अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए इंदिरा ने तानाशाही का ऐसा नमूना पेश किया, जो उस पीढ़ी के लोग अब भी नहीं भूल पाए हैं।

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। इस कदम के बाद सदन में कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। संयोगवश, इंडिया ब्लॉक के सदस्यों ने एक दिन पूर्व 24 जून को सदस्य के रूप में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां उठाई थीं। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर वह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? क्या कांग्रेस कांग्रेस चाहती है कि आपातकाल पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन आपातकाल के भुगतभोगी आम लोगों और नेताओं का मानना है कि अतीत की भूलों को विस्मृत करने से उनके दोहराए जाने का खतरा बढ़ जाता है।

वास्तव में कांग्रेस और उसके नेता आपातकाल की गलती को स्वीकार नहीं करते। अगर वह अपनी गलती स्वीकार करते तो वह यह कहने की हिम्मत जुटाते कि 49 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश पर आपातकाल थोपने और राजनीतिक विरोधियों, मीडिया एवं जनता के खिलाफ दमन का चक्र चलाना एक भूल थी। कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह संविधान के खतरे में होने का फर्जी हौवा खड़ा कर उसके प्रति प्रतिबद्धता जताने में लगी हुई है। यह ठीक है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का संख्या बल बढ़ा है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह दबे-छिपे स्वर में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करती दिखने लगे। उसकी यह कोशिश तो आपातकाल के स्मरण को और अधिक आवश्यक ठहराती है।

यदि वह संविधान के प्रति इतनी ही अधिक प्रतिबद्ध है तो फिर वह क्यों नहीं स्वीकार करना चाहती कि इंदिरा गांधी ने अपनी संसद सदस्यता खारिज किए जाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए आपातकाल का सहारा लिया और इस क्रम में इसी संविधान को कुचला और उसकी प्रस्तावना को मनमाने तरीके से बदल दिया। नयी पीढ़ी तो आपातकाल की विभीषिका से बिल्कुल अपरिचित है। बातचीत के क्रम में इस पीढ़ी ने आपातकाल शब्द जरूर सुना होगा लेकिन 25-26 जून, 1975 की रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर थोपे गए आपातकाल के दंश की कई पीढ़ियां भुक्तभोगी हैं।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन

इस्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोखा दे दिया। इस्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्राईली हमलों को ₹शानदार₹ बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने ₹ऑपरेशन इराकी फ्रीडम₹ के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्राईल जिसपर गजा में लगभग 82, 000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका व्यवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं? आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो, जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं?

भारत का विनिर्माण क्षेत्र में कमजोर होना, ये तर्क कांग्रेस का

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस ने इन दिनों अपने युवराज राहुल गांधी के जरिए लगातार केंद्र सरकार की आलोचना के लिए जो रास्ता चुना है, वह सही नजर नहीं आ रहा। क्योंकि उनके द्वारा उठाया गया ये मुद्दा सत्य से बहुत दूर दिखता है। उनका तर्क है कि मोबाइल फोन एवं विनिर्माण क्षेत्र के सभी उत्पाद भारत में असेंबल किए जा रहे हैं और उनके पुर्जे विदेश से आयात किए जा रहे। वे केंद्र सरकार को यह कहकर घेरते दिखे कि मेक इन इंडिया ने फैक्टरी बूम का वादा किया था। तो फिर विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर क्यों है, युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर क्यों है और चीन से आयात दोगुने से अधिक क्यों हो गया है? राहुल यह भी समझाते हैं कि ₹हमें दूसरों के लिए बाजार बनना बंद करना होगा। अगर हम यहां निर्माण नहीं करते हैं, तो हम उन लोगों से खरीदते रहेंगे जो निर्माण करते हैं।' किंतु क्या राहुल यहां जो बता रहे हैं, वह उतना ही सच है, जैसा कि कहा जा रहा है? भारत क्या विनिर्माण क्षेत्र में लगातार कमजोर हुआ है? या फिर जैसा कांग्रेस कह रही है कि हम दूसरों के लिए बाजार बन गए हैं, वह पूरा सच है? वस्तुतः जैसा कि अर्थ, वाणिज्य और उद्योग जगत के जानकार जानते हैं, बाजार में हर कुछ एक दूसरे पर निर्भर है। यह हो सकता है कि कभी कोई आगे तो कभी कोई कुछ या अधिक पीछे दिखाई दे, लेकिन हमेशा परिणाम सकारात्मक या नकारात्मक ही होंगे, यह बाजार में कभी स्थायी रूप से होता नहीं है। जहां तक भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कार्य करने एवं विकास का प्रश्न है तो आंकड़े जो कहते हैं, वह ऐसे वक्त में जब दुनिया के तमाम देशों के बीच जहां परस्पर युद्ध का साया मंडरा रहा है तो कहीं सीधे युद्ध जैसी स्थितियां हैं, फिर भी बहुत आशावादी और उत्साहवर्धक कहे जा सकते हैं। ये कुछ आंकड़े हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब केंद्र में सरकार बनी तब देश की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर पर थी। ग्यारह साल में अर्थव्यवस्था को ग्यारहवें नंबर से चौथे नंबर पर आ गई।

आज भारत दुनिया की टॉप पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहा है। प्रति व्यक्ति आय में 67 प्रतिशत, विदेशी मुद्रा भंडार में 135 प्रतिशत, निर्यात में 825 अरब अमेरिकी डॉलर का रिकॉर्ड स्तर, एफडीआई में 106 प्रतिशत, टैक्सपेयर्स की संख्या में 127 प्रतिशत और डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 238 प्रतिशत की वृद्धि भारत के संदर्भ में आज दिखाई देती है। पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। विचार करें; क्या यह सरकार के बिना सही प्रयास बगैर संभव होता?

यह तो सभी जानते हैं कि सरकारी नौकरियां कुल जनसंख्या में अधिकतम तीन प्रतिशत लोगों को ही दी जा सकती है, ऐसे में शेष 97 प्रतिशत के लिए रोजगार, श्रम एवं कृषि ही वह उपाय है, जहां से वे अपने लिए आय प्राप्त कर सकते हैं। स्वभाविक तौर पर इसमें सबसे बड़ा हिस्सा वर्तमान में उद्योग-धंधे से होनेवाली आय का है। यदि देश में विनिर्माण क्षेत्र कमजोर होता तब फिर 27 करोड़ लोगों का गरीबी की रेखा से बाहर निकलना कभी संभव ही नहीं होता! यानी भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है और रोजगार के तमाम अवसर सुगम है, इसलिए देश में गरीबी कम हो रही है, लखपति के बाद अब करोड़पति और अरबपतियों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

इसी जून माह के प्रारंभ में भारत के मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के संबंध में रिपोर्ट देखने को मिली। जो कहती है कि मई में भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 रहा। मजबूत मांग और रिकॉर्ड हायरिंग दर्ज की जा रही है। हालांकि मई में पीएमआई अप्रैल के 58.2 से मामूली रूप से कम रहा है, फिर भी ध्यान देने योग्य है कि पीएमआई 50 से ऊपर होता है तो यह वृद्धि को दिखाता है। यानी भारत वर्तमान में वृद्धि करते हुए साफ दिखाई देता है। स्वभाविक है कि यह मजबूत वृद्धि घरेलू और विदेशी मांग के साथ-साथ सफल मार्केटिंग प्रयासों के कारण हुई है, जिसने निर्यात ऑर्डर को पिछले तीन वर्षों के सबसे उच्च स्तर पर पहुंचा दिया। एचएसबीसी की ओर से किए गए पीएमआई सर्वेक्षण में देश भर की फर्मों ने एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका के प्रमुख बाजारों से बढ़ती रुचि के बारे में भी बताया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक बाजारों में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत का माल और सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 820 बिलियन डॉलर को पार कर गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 778 बिलियन डॉलर के इसी आंकड़े से करीब 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। देश की जीडीपी पिछली तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 7.4% बढ़ी, जो 2024 की शुरूआत के बाद से इसकी सबसे तेज गति है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) तो यही दर्शा रही है कि विनिर्माण नौकरियों में सबसे तेज वृद्धि देखी गई, जिसमें कंपनियों ने अस्थायी श्रमिकों की तुलना में स्थायी कर्मचारियों को प्राथमिकता दी है।

जहां तक विशेष रूप से मोबाइल फोन उत्पादक का विषय है तो इसमें आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, पिछले 11 सालों के दौरान 2014 में दो विनिर्माण इकाइयां से बढ़कर आज इनकी संख्या 300 से अधिक हो गई है। मोबाइल फोन का निर्यात 2014-15 में 1,566 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 1.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 77 गुना वृद्धि है। यह भी एक तथ्य है कि भारत में बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन अब भारत में निर्मित होते हैं, जबकि 2014-15 में यह आंकड़ा मात्र 26 प्रतिशत था। पीएलआई योजना से 10,905 करोड़ रुपये का संचयी निवेश और 7.15 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन हुआ है। अकेले इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पीएलआई योजना के तहत 1,39,670 प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की गई हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन मूल्य वित्त वर्ष 2014 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 4.22 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 38 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जो साल-दर-साल 32 प्रतिशत की वृद्धि है। 2023-24 में 1.8 लाख नई कंपनियां पंजीकृत की गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती हैं, जो निरंतर औद्योगिक और उद्यमशीलता विकास का संकेत है। आप सोचें ये जो नई कंपनियों की संख्या सामने आई है, यह भारत में क्या कर रही हैं, रोजगार का सृजन, माल का निर्माण और उसकी देशी एवं विदेशी बाजार में उसकी खपत। सरकार ने 1.52 लाख करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे 2026 तक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसलिए कांग्रेस या राहुल गांधी जो आज भारत के विनिर्माण क्षेत्र को कमजोर होना बता रहे हैं, उनका यह कहना वास्तव में साक्ष्यों और आंकड़ों के आधार पर सही नहीं है। यह तो देश की जनता को गुमराह करने जैसा है, ताकि वर्तमान सत्ता के प्रति आमजन का विश्वास कमतर किया जा सके।

सम्पादकीय...

नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में भारत

अपने पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की तो किसी को अंदाजा न रहा होगा की यह अभियान जन आन्दोलन का रूप ले लेगा । स्वच्छता आन्दोलन के साथ देखते ही देखते तरह से राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी व आमजन जुड़ गये वह अपने आप मे अद्वितीय ही रहा । अभियान पूरे देश में व्यापक असर तो दिखा ही साथ ही लोगों के दिलों-दिमाग में स्वच्छता के प्रति जागरुकता के प्रति अमिट छाप छोड़ गया । आज भी लोग सार्वजनिक व निजी स्थलों मे कचरा फेंकने, गंदगी करने के पहले सौ बार सोचते है । कोविड के समय स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता और जन सहयोग को मिशाल के रूप मे देश ने देखा है । सरकारी मदद इलाज के इतर जिस तरह से एक दूसरे की मदद के लिए लोग सामने आए और लाखो लोगों की जान सुरक्षित किए वह प्रधानमंत्री के आह्वान का ही नतीजा रहा है । मोदी सरकार ने 11 साल के कार्यकाल में कई उल्लेखनीय और अभूतपूर्व कार्य कर भारत को कई क्षेत्रो मे नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। शौचालय पी.एम. आवास निर्माण के बाद बड़ी उपलब्धियों मे यदि किसी को गिना जाअगा तो वह है आयुष्मान भारत योजना, जिसने 50 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया है। इस योजना ने 6 करोड़ से अधिक लोगो का इलाज कराकर उन्हे वित्तीय संकट से बचाया। देखा जाए तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के लिये इलाज पर होने वाला खर्च कमर तोड़ने वाला होता है। गम्भीर बीमारी के समय तो कई ऐसे परिवार रहे जो खर्च न उठा पाने की स्थिति मे मरीज को अपने हाल पर छोड़ देते थे। आयुष्मान भारत योजना ने अब सब कुछ आसान कर दिया है। सामान्य हो या असामान्य सभी तरह की बीमारियों की चिन्ता आयुष्मान भारत पर छोड़ी जा चुकी है। आयुष्मान भारत योजना के बाद डिजिटल इण्डिया का कदम क्रान्तिकारी रहा है। डिजिटल इण्डिया ने यूपीआई के माध्यम से भारत को वैश्विक डिजिटल भुगतान का नेतृत्वकर्ता बनाया जिससे 2025 तक 1.3 ट्रिलियन मासिक लेन-देन दर्ज किए गए। मेक इन इण्डिया विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा दिया जिससे भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बना। जल जीवन मिशन ने 11.82 करोड़ ग्रामीण घरो को नल जल कनेक्शन प्रदान किया जिससे स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ी। मोदी सरकार ने अपने ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिए हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना ऐसा निर्णय रहा जिसे देश मान चुका था की यह सम्भव नही है। 'यह नहीं हो सकता' की धारणा आम हो चुकी थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे यह धारणा टूट गई। अनुच्छेद 370 समाप्त हो गया और किसी तरह की चूं- चपड़ भी नही हुई। विपक्ष की यह आशंका भी निर्मूल साबित हुई की देश मे भू-चाल आ जाएगा।अनुच्छेद 370 के समाप्ति के बाद देश ने भी देखा की जब जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव हुए तो 58.46 फीसद तक मतदान हुआ। यह परिवर्तन एक साहसिक निर्णय का असर रहा है। इसी तरह तीन तलाक की प्रथा जो मानवता के लिए त्रासदी थी जिस पर वर्षो तक चुप्पी छायी रही। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बात कही लेकिन कोई निर्णायक कदम नही उठाया गया। मोदी सरकार ने तीन तलाक को समाप्त कर यह साबित कर दिया कि वह महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब पता चलता है कि इस्लामिक देशों में तो तीन तलाक बहुत पहले ही समाप्त हो चुका है। प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण की सार्थक योजना चलाई जिसका असर देखने को मिला है। गरीबी हटाओ केवल पुराने नारे तक सीमित नहीं रहा बल्कि गरीबों के कल्याण को साकार रूप दिया गया। आंकड़े बताते हैं की 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के उपर उठ चुके है। नीति आयोग और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंचों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकडे भी इसके गवाह है। भारत मे अत्यधिक गरीबी में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड लोगो को प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं व चावल निःशुल्क उपलब्ध कराया गया जिसे बडी उपलब्धि के रूप में माना जा सकता है। पी.एम. आवास योजना ने भी गरीबों की ना की दशा बदली बल्कि खुशहाली की राह दिखाआ है। पी.एम. आवास योजना के 4 करोड़ पक्के मकान बनाए जा चुके है और अगले पांच वर्षों में 3 करोड और मकानों के निर्माण का संकल्प लिया गया है। यदि आज आप गांवों की यात्रा करें तो पहले जहां खपरैल व घासफूस के घर दिखते थे अब वहां पक्के मकान खड़े है। सड़क नेटवर्क क्षेत्र में पहले जो सड़कें अधूरी व टूटी-फूटी रहती थीं वह अब हाइवे मे बदल चुकी हैं। यह आज के आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का परिचायक है। पुलवामा व हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले से सभी वाकिफ हैं। आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नेहवा झ हवाई बातें नहीं की, बल्कि जो कहा वह करके दिखाया है। देश ने देखा कि किस तरह सेना ने घुस कर मारा। यह तभी संभव होता जब नेतृत्त मजबूत हाथो में हो, और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो। मोदी सरकार ने देश की आंतरिक और वाह्य सुरक्षा फोकस करते हुए नक्सलवाद व आतंकवाद की कमर तोड़ने का काम किया है। पहले देश में 126 जिले नक्सल प्रभावित माने जाते थे जो अब घटकर 18 रह गए हैं। हिंसा मे 53 फीसद की कमी आई है। सुरक्षाबलों की हताहत संख्या में 72 फीद गिरावट दर्ज की गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत अब नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। संसदीय क्षेत्र सीधी के संदर्भ मेंः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्ष के कार्यकाल मे संसदीय क्षेत्र सीधी में एतिहासिक कार्य हुए हैं। ललितपुर- सिंगरौली रेल परियोजना की आधारशिला 1985 मे रखी गई। बाद में परियोजना को ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया। केन्द्र मे कांग्रेस की सरकार होने और स्थानीय स्तर पर मजबूत व पहुंचवाले नेताओं के होने के बावजूद परियोजना को गतिमान बनाने एक धेला भी नही दिया गया। रेल परियोजना को गति देने का काम नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने के बाद हुआ है। ग्यारह वर्ष के प्रयास का नतीजा रहा की रीवा से सीधी और सिंगरौली तक रेल लाइन बिछाने का काम तेज है। जगह झ जगह स्टेशन, पुल आदि का कार्य तेजी से हो रहा है। बघवार तक तो पिछले महीने ट्रायल मे रेल आ चुकी है। जिला मुख्यालय मे भी शीघ्र बहुप्रतीक्षित रेल पहुंचने वाली है। पिछले 40 वर्ष से ठप पड़ी रेल परियोजना को जहां मोदी सरकार ने सजीव कर दिखाया वहीं सीधी झ रीवा मार्ग पर कैमोर पहाड़ मे विश्वस्तरीय सुरंग का निर्माण कराकर समूचे विंध्य को बड़ी सौगात दी है। सुरंग बन जाने से सीधी और रीवा के बीच आवागमन सुगम व रोमांचित हो गया है । संसदीय क्षेत्र मे इसके अलावा बेहतरीन नेशनल हाइवे निर्माणाधीन हैं। गांव झ देहात भी सड़क, पेयजल, बिजली की सुविधा से युक्त हो गए हैं। सीधी झ सिंगरौली में मेडिकल कालेज की स्थापना, इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक संस्थानों की स्थापना ने शिक्षा के क्षेत्र को मजबूती प्रदान की है। साथ ही सिंचाई परियोजना की शुरूआत आदि ने किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने का काम किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से मिला 28 राज्यों के 45 युवा छात्रों का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से सोमवार को नेशनल गवर्नेंस टूर 2025 पर आए 28 राज्यों के 45 युवा छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों (आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू) और अन्य विश्वविद्यालयों के छात्र शामिल हैं।

विधानसभा में शहरी शासन में विधायी पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना विषय पर आयोजित संवाद में छात्रों ने दिल्ली में विधायी प्रक्रियाओं में जन-भागीदारी और संस्थागत निगरानी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए लोकतंत्र में विधायी संस्थाओं की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया और उन्हें ईमानदारी तथा सेवा भावना से जनजीवन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्र प्रतिनिधियों के योजनाबद्ध और लोकतांत्रिक शासन पर उनके दृष्टिकोण की सराहना की तथा 20 मिनट के संवाद में छात्रों के जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का उत्तर दिया। गुप्ता ने कहा कि यह विधानसभा जनता की है। आपकी सक्रिय भागीदारी और जिज्ञासु दृष्टिकोण भारत के लोकतांत्रिक भविष्य की शक्ति का प्रतीक है।

दिल्ली विधानसभा में विभिन्न सुधारात्मक कार्य चल रहे हैं। हाल ही में विधानसभा ने केंद्र सरकार की ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाया है, जिससे नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा उठाए गए आपत्तियों की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव हो सकेगी। यह पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा कदम है। अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जा रही है, जिसका जुलाई में पूर्ण होने का अनुमान है। छात्रों को भारत के विधायी इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से अवगत कराते हुए अध्यक्ष ने बताया कि 18 मार्च 1919 को दिल्ली में रोलेट एक्ट पारित हुआ था।

मुख्यमंत्री ने की मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात, पिछली सरकारों पर साधा

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मौलाना आजाद अस्पताल के डॉक्टरों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से संवाद करके उनकी समस्याओं को भी सुना। मुख्यमंत्री ने मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कि पिछली शिक्षित सरकारों और वहां के अस्पताल प्रशासन की गैरजिम्मेदारी से हैरान है। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की खराब स्थिति और यहां पढ़ने वाले छात्रों की हालत देखकर बहुत दुख होता है। उन्होंने कहा कि 1966 से 1990 के बीच में बने यहां सात छात्रावास की 1200 छात्रों की क्षमता है, लेकिन लगभग 3200 छात्र रह रहे हैं।

एक कमरे में आठ-आठ बेड है और अलमारी भी शेयर करनी पड़ती है, स्टडी टेबल कुर्सी जैसी कोई चीज यहां नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के छात्रावासों में कभी मरम्मत का काम ही नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे मेडिकल के छात्र ऐसी विपरीत परिस्थितियों में यहां पर रह रहे हैं। यहां सुरक्षा की कोई दुरुस्त व्यवस्था नहीं है, परिसर में भारी अतिक्रमण किया गया है। पिछली सरकारों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अतिक्रमण की वजह से छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है। कई वारदातें भी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावासों की मरम्मत और उनमें सुविधाओं को देने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए जाएंगे। नए छात्रावासों को बनाने की संभावनाएं खोजी जाएंगी, ताकि एक कमरे में दो या चार छात्रों को रहना पड़ें। छात्रों के लिए अलग अलमारी और स्टडी टेबल कुर्सी की व्यवस्था की जाएगी। दिल्ली सरकार छात्रों को सभी सुविधाएं देने की कोशिश करेगी। परिसर में हुए अतिक्रमण को जल्द हटाया जाएगा।

एविएशन फ्यूल की चोरी करने वाले वाले गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल (आईएससी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के तहत मुंडका स्थित एक गोदाम से 72,000 लीटर एटीएफ जब्त किया गया है, इस तस्करी से सरकार को हर महीने 1.62 करोड़ का नुकसान हो रहा था। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

इनमें गोदाम मालिक, टैंकर ड्राइवर, हेल्पर, ट्रांसपोर्टर और अवैध रूप से ईंधन खरीदने वाला हैं। हेड कांस्टेबल सुनील को 22 जून को मिली एक सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर महिपाल सिंह के नेतृत्व में एसीपी रमेश चंद्र लांबा की निगरानी में टीम ने पश्चिमी दिल्ली के मुंडका में एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान मौके पर तीन टैंकर पाए गए, हर टैंकर में 24,000 लीटर एविएशन टरबाइन फ्यूल भरा था और पाइप की मदद से बैरल में भरा जाता था। इसके साथ ही दो पिकअप ट्रक, छह डिप रॉड, मास्टर की, एविएशन टरबाइन फ्यूल से भरे ड्रम और 1.05 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि बहादुरगढ़ में एचपीसीएल असौदा डिपो से आईजीआई एयरपोर्ट जा रहे एविएशन फ्यूल से भरे टैंकरों को मुंडका लाया जाता था। यह विडियो भी देखें इसमें टैंकरों को ड्राइवर, ट्रांसपोर्टर और गोदाम मालिक की मिलीभगत थी, जो जीपीएस से छेड़छाड़ कर टैंकरों को गोदाम तक लेकर आते थे।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने 3,400 गड्ढों की मरम्मत का किया

नई दिल्ली, । दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को 3400 गड्ढों को भरकर 1,400 किलोमीटर से अधिक सड़कों को सुरक्षित, सुगम और मानसून के लिए तैयार करने का ऐलान किया है। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि यह नहीं है कि पिछले चार महीने से कुछ नहीं हो रहा था। गड्ढे भरने का काम लगातार चल रहा था। लेकिन अब क्योंकि मानसून कभी भी दस्तक दे सकता है, इसलिए हमने तय किया है कि एक ही दिन में 3,400 चिन्हित गड्ढों को भर दिया जाएगा। ये सिर्फ एक मरम्मत नहीं, जनता से किया गया वादा निभाने का दिन होगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह पहल केवल दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी प्रणाली की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि जब काम बिना भ्रष्टाचार के होगा, तो गड्ढे बनेंगे ही नहीं। जब काम पीडब्ल्यूडी के तय मापदंडों के अनुसार होगा, तब सड़कों पर जनता को तकलीफ नहीं होगी। वही हमारा संकल्प है। अभियान की विशेषताएं : 1,400 किलोमीटर पीडब्ल्यूडी सड़कों का कवरेज होगा। इनमें मेन रोड, आंतरिक सड़कें और हाई रिस्क जोन शामिल हैं। 3,400 चिन्हित गड्ढों को भरने का लक्ष्य है, ये गड्ढे नागरिकों की शिकायतों, जोनल सर्वे और ड्रोन मैपिंग के जरिए पहले से चिन्हित किए जा चुके हैं। सड़कों को जोन में विभाजित किया गया है ताकि ऑपरेशन प्रभावी और तेजी से हो। 200 से अधिक मेंटेनेंस वैन इस एकदिवसीय अभियान में जुटाई गई हैं। 70 एई और 150 जेई समेत 1,000 से अधिक मजदूर, इंजीनियर और सुपरवाइजर ग्राउंड पर तैनात रहेंगे। पारदर्शिता और जवाबदेही : हर गड्ढे की मरम्मत से पहले और बाद की भू-टैग्ड और टाइम-स्टैम्प फोटो ली जाएंगी। यह अनिवार्य किया गया है ताकि कोई भी काम फर्जी न हो सके। मंत्री स्वयं ग्राउंड पर मौजूद रहेंगे और वास्तविक समय में निगरानी करेंगे। हर जोन के लिए एक जोनल एई और एक वरिष्ठ अभियंता को जवाबदेह बनाया गया है। असफलता या लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई होगी। इस अभियान की योजना नागरिकों की शिकायतों और सुझावों पर आधारित है। यह पहल जनता की सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक जाम और मानसून से पहले की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है।

ढाबे पर हत्या करने वाला इनामी बदमाश

नई दिल्ली, गैंगवार में सोनीपत के मुरथल में वीर ढाबा पर दीपक उर्फ भांजा नाम के बदमाश पर ताबड़तोड़ गोलियां चला बेरहमी से हत्या कर देने के मामले में शामिल राकेश कादियान उर्फ पम्पू को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। फरवरी में वारदात के बाद से वह फरार था। दिल्ली में ठिकाना बना वह अपने गिरोह की गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा था लेकिन इससे पहले उसे दबोच लिया गया। इस पर हरियाणा पुलिस की तरफ से 20 हजार रुपये का इनाम था। इसके कब्जे से एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल, चार कारतूस व ब्रेजा कार जब्त की गई है। डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक, राकेश कादियान, सिवाह, पानीपत, हरियाणा का रहने वाला है। इसका लंबा आपराधिक इतिहास है। इस पर दिल्ली और हरियाणा में हत्या के प्रयास, हत्या, जबरन वसूली और हमले आदि के 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। एसीपी राहुल कुमार सिंह व इंस्पेक्टर मंदीप और जयबीर की टीम को सूचना मिली कि सोनीपत में हत्या के मामले में वांछित बदमाश राकेश कादियान अक्सर दिल्ली आता-जाता है। वह दिल्ली में फिर से अपने गिरोह को पुनर्जीवित करने की योजना बना रहा है। सूचना को विकसित कर सेल ने रविवार को राकेश को अवैध हथियार के साथ रोहिणी में ब्रेजा कार को रोक कर दबोच लिया। राकेश ने पानीपत के एसडी कालेज से सूचना प्रबंधन में स्नातक की डिग्री हासिल की थी।

यूट्यूबर रानी खान दर्जनों महिलाओं के साथ कांग्रेस में

बुलंदशहर । कांग्रेस से लोगों का जुड़ाव बढ़ता जा रहा है । बुलंदशहर में इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर सक्रिय रहने वाली महिला कार्यकर्ता रानी खान अपने साथ दर्जनों महिलाओं को लेकर कांग्रेस में शामिल हो गई । कांग्रेस जिलाध्यक्ष एड. जियाउर्रहमान ने रानी खान, रुबीना खान के साथ सभी महिलाओं को कांग्रेस का पटका पहनाकर स्वागत किया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद महिला नेत्री रानी खान, रुबीना खान ने कहा कि कांग्रेस ही महिलाओं की सच्ची हितैषी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाया, प्रत्येक महिला को उनका साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को घर घर जाकर जागरूक करेंगी । कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी और दीदी प्रियंका गांधी महिलाओं को राजनीति में आरक्षण देने के पक्षधर है

और संगठन के भी आरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध और अत्याचार बड़ा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के दरवाजे महिलाओं के लिए हमेशा खुले हैं । रानी खान के साथ कांग्रेस में साहिल खान, काजल, रुबीना, मुबीना परवीन, नाजरीन, नगीना, तमन्ना अल्वी, नसरीन, शकीला आदि महिलाएं शामिल हुई। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान, सुभाष गांधी, शिवकुमार लालनेर, आशु कुरैशी, नईम मंसूरी, सचिन वशिष्ठ, मौ साहिल, दिनेश पंडित, फारुख खान, सलमान, समीर, वासीन आदि मौजूद रहे ।

अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रुड़की के प्रांगण में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी ही अनुशासन पूर्वक

हापुड़। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, रुड़की के प्रांगण में 11 वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी ही अनुशासन पूर्वक मनाया गया । योग साधक डॉली पाल द्वारा सभी को योगाभ्यास कराया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुबोध कुमार द्वारा एनसीसी कैडेट्स को योग से होने वाले लाभ के विषय में विस्तार से बताया गया । उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है व योग का मतलब है जोड़ना, योग करने से हमारे मन मस्तिष्क और शरीर को शांति मिलती है और हमारा शरीर स्वस्थ रहता है । योग केवल छात्र ही नहीं बड़े बुजुर्ग सभी के लिए आवश्यक है । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कार्यवाहक कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह द्वारा अपने संबोधन में कैडेट्स को बताया गया कि भारतीय संस्कृति में योग अनादि काल से ऋषि-महर्षियों द्वारा किया जा रहा है व योग करने से शरीर को ऊर्जा मिलती है व काया निरोगी रहती है । उन्होंने बताया की जब हम योग करते हैं तो हमारी सभी इंद्रियां कार्य करती हैं और हमारे मन को शांति मिलती है और जब मनुष्य शांत रहता है तो उसके मुख पर प्रसन्नता अपने आप आ जाती है, योग योग द्वारा ऐसे असाध्य रोगों का भी इलाज हो जाता है जो मनुष्य चिकित्सा की कल्पना से परे हैं । कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यालय अधीक्षक प्रशिक्षण रवि कपूर का विशेष योगदान रहा । अंत में बटालियन के सूबेदार मेजर अमर सिंह व विद्यालय के प्रधानाचार्य सुबोध कुमार द्वारा योग साधक डॉली पाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।

जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में हिंदू/ मुस्लिम समुदाय के धर्म गुरुओं के साथ श्रावण शिवरात्रि/कावड़ यात्रा की बैठक

हापुड़। आगामी ₹श्रावण शिवरात्रि/कांवड़ यात्रा ₹* को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने हेतु श्रीमान जिलाधिकारी महोदय अभिषेक पांडे व श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय कुंवर ज्ञानंजय सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में हिंदू-मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरूओं एवं गणमान्य/ संभ्रांत व्यक्तियों,मंदिर कमेटी के सदस्यों व शिविर आयोजकों के साथ गोष्ठी आयोजित कर सभी से सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखते हुए श्रावण शिवरात्रि/कांवड़ यात्रा को शान्तिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की गयी एवं बैठक में उपस्थित सभी पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

राशन कार्डधारकों व लाभार्थियों eKYC 30 जून तक होनी

बुलन्दशहर। अभय सिंह जिला पूर्ति अधिकारी बुलन्दशहर ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 405595 यूनिटों (लाभार्थियों) ने eKYC नहीं करायी है, जिनमें से 82804 लाभार्थी नगरीय क्षेत्र में तथा 322792 लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्र के है। जनपद बुलन्दशहर के नगरीय क्षेत्र बुलन्दशहर, खुर्जा एवं सिकन्द्राबाद व ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखण्ड सिकन्द्राबाद, खुर्जा एवं पहासू में डिउ से शेष बचे लाभार्थियों की संख्या सर्वाधिक है, जिससे स्पष्ट है कि उपरोक्त वर्णित ब्लॉक व नगर क्षेत्रों के लाभार्थियों द्वारा डिउ करावे जाने में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। जनपद के समस्त ऐसे कार्डधारकों व लाभार्थियों, जिनका अथवा जिनके परिवार के किसी सदस्य की डिउ अभी तक नहीं हो पायी है। वह 20 जून से प्रारम्भ हुए वितरण चक के दौरान आवंटित निःशुल्क राशन व सशुल्क चीनी प्राप्त करते हुए भारत सरकारी की उक्त अपेक्षानुकम में अपने राशनकार्ड में समस्त लाभार्थियों की eKYC प्रत्येक दशा में दिनांक 30 जून तक पूर्ण करा लें, जिससे जनपद को खाद्यान्न का आवश्यकतानुसार आवंटन प्राप्त होता रहे। समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षकों को निर्देशित किया जाता है कि अपने क्षेत्रान्तर्गत अपात्र, विस्थापित, मृतक यूनिटों को निरस्त करना सुनिश्चित करते हुए ई०-के० वाई०सी० कार्य की उचित दर विकेतावार पोर्टल पर उपलब्ध पेन्डिंग लिस्ट के लाभार्थियों द्वारा ई०-के० वाई०सी०न कराने के कारणों की नियमित रूप से समीक्षा करते हुए, सम्बन्धित उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से अवशेष लाभार्थियों की डिउ नियत तिथि 30 जून तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा वरिष्ठ जेल अधीक्षक को उनके स्थानांतरण पर दी भाव पूर्ण विदाई

बुलंदशहर । पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा अलका मोटल मे प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.के.सक्सेना के नेतृत्व में राजेंद्र कुमार जायसवाल वरिष्ठ जेल अधीक्षक के लखनऊ स्थानांतरण पर भावपूर्ण विदाई दी गई। इस आयोजन में आई एम ए के अध्यक्ष डॉक्टर एस .के.गोयल, प्रसिद्ध उद्योगपति संजीव रामा, भारत गोविल, मुकेश अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल,राजकुमार गुप्ता, मुकेश अग्रवाल (जिला अध्यक्षगल्ला मंडी,) व मुकेश कुमार (राजकमल डरी) ने फूलों को गुलदस्ता देकर उनको भावपूर्ण विदाई दी। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस.के.सक्सेना ने बताया राजेंद्र कुमार जायसवाल जी के द्वारा बुलंदशहर जेल में सामाजिक संगठन की मदद से जेल में बंद कैदियों के लिए अनेक कार्य कर उन्हें नई दिशा प्रदान की जिला अध्यक्ष नरेश गोयल ने जयसवाल जी को इस समारोह में आने के लिए उनका धन्यवाद कि अपार स्नेह और प्यार देखकर जेल अधीक्षक जायसवाल जी भावुक हो गए और उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के द्वारा इस आयोजित समारोह के लिए धन्यवाद दिया। मंच संचालन अनुराग अग्रवाल ने किया व्यवस्था में सचिन गोयल,सुमित महेश्वरी,गौरव,विश्वास,अजय गोयल, सुमित मित्तल,रोबिन,संचित,शिवा गोयल,रॉबिन,दीपक,सौरभ अरुण गोयल व अजय बड़ी संख्या में लोग एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी ने उपचुनाव में जीत हासिल कर लहराया परचम विकास

बुलंदशहर में आम आदमी पार्टी ने गुजरात की विसावदर पर गोपाल इटालिया और पंजाब की लुधियाना बेस्ट पर संजीव अरोड़ा जी की विधानसभा उपचुनाव जीत कर सिद्ध किया है कि जनता का भरोसा आज भी आम आदमी पार्टी की काम की राजनीति पर कायम है। गोपाल इटालिया और संजीव अरोड़ा दोनों ही अपने अपने क्षेत्र में सामाजिक संघर्ष के प्रतीक है इनकी जीत से आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं में जबर्दस्त उत्साह का संचार हुआ है दिल्ली विधानसभा चुनाव में तमाम छल प्रपंच ,झूठ,फरेब से आम आदमी पार्टी के नेताओ को बदनाम कर भाजपा ने बेशक सत्ता हासिल कर ली पर चार महीने में ही जनता ने भाजपा सरकार को कोसने शुरू कर दिया है ,आज भी लोग केजरीवाल सरकार के कामो को ही याद कर रहे हैं।इप चुनावों में मिली जीत से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की राष्ट्रीय राजनीति में शानदार वापसी होगी।हालिया घटनाओं से मोदी जी एक बेहद कमजोर प्रधानमंत्री के रूप में दिखाई दे रहे है जिनके पास ना देश के लिए कोई नीति है ना विदेश के लिये।भाजपा और मोदी जी के झूठ और जुमलो से जनता उकता चुकी है और वो जनता का विश्वास खो रहे है।

सरकारी शिक्षक बनने का सपना करें साकार

केंद्र सरकार के अधीन आने वाले सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सीटीईटी (सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इस परीक्षा का मकसद केंद्रीय और प्रादेशिक स्तर पर बेहतर शिक्षकों का चु नाव करना है। यह परीक्षा देशभर के विभिन्न केंद्रों पर सीबीएसई (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन) द्वारा संचालित होती है। इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यदि आप भी सरकारी शिक्षक बनने का सपना संजो रहे हैं तो यह परीक्षा पास कर अपना सपना सच कर सकते हैं

सीटीईटी परीक्षा : महत्वपूर्ण तारीखें

- परीक्षा शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि- 6अगस्त 2014
- सीटीईटी वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलो ड- 22 अगस्त 2014 से
- परीक्षा की तिथि-21 सितम्बर 2014

शिक्षक कई स्तर पर होते हैं। कक्षा-1 से कक्षा-5 (प्राथमिक स्तर) के शिक्षक बनने के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 50 प्रतिशत अंकों के साथ सीनियर सेकेंड्री की परीक्षा पास की हो। साथ ही एलिमेंट्री एजुकेशन में दो वर्षीय डिप्लोमा या बीएलएड या डीएड में उत्तीर्ण हो या अंतिम वर्ष में हो, आवेदन कर सकते हैं। वहीं, कक्षा-6से कक्षा-8तक (प्रारंभिक स्तर) के लिए शिक्षक बनने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी मान्यता प्राप्त विविद्यालय से 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक की परीक्षा पास की हो, साथ ही बीएड, बीएलएड या डीएड या दो वर्षीय एलिमेंट्री एजुकेशन की परीक्षा पास की हो या अंतिम वर्ष में हो। आरक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता में पांच प्रतिशत अंकों की छूट का प्रावधान है।

एग्जाम पैटर्न

सीटीईटी की परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते हैं। दोनों प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय होंगे। निगेटिव मार्किंग का प्रावधान इस परीक्षा में नहीं है। पेपर-1 उन अभ्यर्थियों के लिए है जो प्राथमिक स्तर के शिक्षक बनना चाहते हैं यानी कक्षा-5 तक और पेपर-2 उन अभ्यर्थियों के लिए है जो प्रारंभिक स्तर के शिक्षक बनना चाहते हैं यानी कक्षा-5 से कक्षा-8तक। अभ्यर्थी दोनों परीक्षाएं दे सकता है। इस बार सीटीईटी परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं ।

कैसा होगा परीक्षा-पत्र

प्राइमरी स्तर के परीक्षा पत्र में 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न का एक अंक निर्धारित किया गया है। परीक्षा पत्र को पांच भागों में बांटा गया है, चाइल्ड डेवलपमेंट एंड पैडालॉजी, लैंग्वेज-1, लैंग्वेज-2, मैथमेटिक्स, इनवायरमेंटल स्टडीज। प्रत्येक भाग से 30 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रारंभिक स्तर या पेपर-2 के परीक्षा पत्र में भी 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक का एक अंक निर्धारित है। परीक्षा पत्र को चार भागों में बांटा गया है, चाइल्ड डेवलपमेंट एंड पैडालॉजी, लैंग्वेज-1, लैंग्वेज-2, मैथ्स एंड साइंस। मैथ्स एंड साइंस से 60 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके अलावा, तीनों भागों से 30 प्रश्न पूछे जाएंगे। आर्ट से जुड़े अभ्यार्थियों के लिए मैथ्स और साइंस की जगह सोशल स्टडीज से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र ढाई घंटे का होगा।

कैसे करें तैयारी

विशेषज्ञों से मुताबिक, इस परीक्षा में पूछे जाने वाले चाइल्ड डेवलपमेंट सेक्शन को अच्छी तरह तैयार करने के लिए बच्चों के क्रमबद्ध विकास, विकास के लिए आवश्यक चीजें, शैक्षिक मनोविज्ञान, भाषा एवं विचार, तार्किक शक्ति तथा सामाजिक संरचना से जुड़े प्रश्न को मजबूत करें। क्योंकि इस भाग में अभ्यर्थी की छह से ग्यारह साल तक के बच्चों को पढ़ाने और समझाने की परख की जाती है। बाजार में सीटीईटी परीक्षा की तैयारी के लिए कई प्रकाशनों की किताबें मौजूद हैं। इसकी सहायता से तैयारी काफी आसान हो जाती है। संबंधित किताबें या गाइड खरीदकर उसमें पैटर्न देखकर तैयारी शुरू कर दें। लैंग्वेज-1 में आप कोई भी माध्यम चुन सकते हैं । इस भाग में पैसेज, ड्रामा, ग्रामर और वर्बल एबिलिटी को परखा जाएगा जबकि लैंग्वेज-2 में एलिमेंट, कम्युनिकेशन एवं कम्प्रीहेंशन के प्रश्न पूछे जाएंगे। लैंग्वेज के दोनों भागों में अभ्यर्थी की भाषा पर पकड़ को जांचा जाता है। इसलिए जरूरी है कि आप ग्रामर अच्छे से तैयार करें।

मैथ्स के सेक्शन में बेसिक मैथ्स मसलन एवरेज, प्रॉफिट-गेन, कम्पाउंड इंट्रेस्ट, ट्रिगोनोमैट्री, मैनसुरेशन आदि से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। इस भाग को आप अभ्यास के साथ पक्का कर सकेंगे। इस भाग का जितना भी आप अभ्यास करें, उतना ही कम होगा। इसलिए अधिक से अधिक अभ्यास करने का प्रयास करें। इनवायरमेंट स्टडीज में पर्यावरण से जुड़ी बेसिक बातें पूछी जाती हैं। आप पर्यावरण के सिद्धांत, पढ़ाई के विभिन्न तरीकों पर फोकस करें। साइंस का सेक्शन भी इस बार परीक्षा में शामिमल किया गया है। वैसे साइंस में भी अभ्यर्थी की बुद्धिमत्ता जांचने का प्रयास किया जाता है। इसलिए बेसिक कांसेप्ट क्लीयर कर लें। सोशल स्टडीज में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी बातों पर आधारित प्रश्न आते हैं। इस भाग में समसामयिक विषयों से जुड़े प्रश्न भी आ सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

मॉडल पेपर व गत वर्षों के पेपरों को हल करके टाइम मैनेजमेंट बनाएं। नियमित अभ्यास करते रहें। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं है, इसलिए सभी प्रश्नों के उत्तर दें। एनसीईआरटी की किताबों से बेसिक कॉन्सेप्ट क्लीयर करें। समसामयिक विषयों पर पकड़ बनाने के लिए नियमित समाचार पत्र व पत्रिकाओं का अध्ययन करें। आर.एस.अग्रवाल की मैथ्स से हाईस्कूल लेवल का बेसिक कॉन्सेप्ट क्लीयर कर सकते हैं।

आज शेफ किसी सेलिब्रेटी से कम नहीं हैं। विभिन्न चैनलों पर आने वाले कुकिंग से जुड़े रियलिटी शोज की पॉपुलरिटी में शेफ की अच्छी खासी भूमिका होती है। ऐसे में यह फील्ड युवाओं को जमकर लुभा रहा है और प्रशिक्षित लोगों की मांग भी काफी है

ग्लैमर से भरा कुकिंग फील्ड

आज से 10-12 वर्ष पहले तक कुकिंग स्किल्स को ज्यादा तवज्जो नहीं दी जाती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। शेफ का रोल किचन तक सीमित नहीं रहा। अब वह टीवी शोज के होस्ट करने से लेकर बुक्स तक लिख रहे हैं, यानी यह एक ग्लैमरस करियर के तौर पर हमारे सामने आया है। आज शेफ किसी सेलिब्रेटी से कम नहीं हैं। विभिन्न चैनलों पर आने वाले कुकिंग से जुड़े रियलिटी शोज की पॉपुलरिटी में शेफ की अच्छी खासी भूमिका होती है। मशहूर शेफ कुणाल कपूर इसके उदाहरण हैं। यह देखने के बाद कहा जा सकता है कि

जिसमें कुकिंग को लेकर व्यंजनों की सही पहचान करने की क्षमता हो, वह शेफ के तौर पर आकर्षक व शानदार करियर बना सकते हैं। हालांकि शेफ बनने के लिए इन बातों का ख्याल भी रखना जरूरी है।

खानपान की जानकारी जरूरी

शुरुआती दौर में इस क्षेत्र में काफी हार्ड वर्क की जरूरत पड़ती है। अलग- अलग देशों के लोगों के खानपान की जानकारी रखनी पड़ती है कि वे क्या खाना पसंद करते हैं। एक शेफ के लिए यह जानना भी जरूरी है कि भारत का कौन-सा पकवान दूसरे देश की किस रेसिपी से मिलती-जुलती है। एक बार यह समझ में आ जाने पर आगे आप स्वयं ही सफलता हासिल करते जाएंगे। हालांकि एक बात का और ध्यान रखना पड़ता है कि एक अच्छे शेफ का अच्छा लीडर होना जरूरी है, क्योंकि जैसे-जैसे आप करियर में आगे बढ़ेगा, उसे फूड क्वालिटी कंट्रोल, फाइनेंस मैनेजमेंट, मेन्यू की प्लानिंग, हायरिंग और टीम मैनेजमेंट का भी ध्यान रखना होगा। इस तरह एक बार फील्ड में खुद को अच्छे से स्थापित कर लेंगे तो किसी सेलिब्रिटी से आपकी क म पहचान न हीं होगी।

बढ़ रहे व्यावसायिक क्षेत्र

ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स के अनुसार, वर्ष 2016तक शेफ और फूड प्रोफेशनल्स की नौकरियों की दर में 16फीसद का इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस क्षेत्र में नौकरी के कई मौके हैं । होटल, रेस्टोरेंट, एयर कैटरिंग यूनिट्स, फूड प्रोसेसिंग कंपनीज, क्रूज लाइनर औ र कॉरपोरे ट कै टरिंग यूनिट्स में शेफ के लिए नये अवसर तैयार हो रहे हैं। फू ड सेक्टर के जानकारों का मानना है कि कोर्स करने के बाद यदि अपना वेंचर स्टार्ट करना चाहते हैं तो पहले किसी अच्छे होटल में काम करें।

अंतरराष्ट्रीय फूड का बढ़ा है क्रेज

कुकिंग आज कोई डेली रूटीन या एक्टिविटी नहीं रह गई है। इसमें कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। लोगों के खाने का स्वाद बदल रहा है। उनमें भारतीय के अलावा इंटरनेशनल फूड का क्रेज बढ़ा है । इससे पूरी हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री को फायदा मिला है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, कस्टमर्स की नई डिमांड को एक प्रोफेशनल शेफ ही पूरा कर सकता है। यह एक शेफ की ही जिम्मेदारी है कि वह ग्राहक के टेस्ट के मुताबिक अलग-अलग तरह के खान-पान का प्लान करे। इसलिए एक शेफ को चाइनीज, फ्रेंच, इटैलियन, कॉन्टिनेंटल मैक्सिकन जैसे तमाम कुजीन की जानकारी होनी जरूरी है। इसी से वे लोगों का दिल जीत पाते हैं और उन्हें सफलता मिलती है।

अस्पतालों में भी है मांग

विकसित देशों में तो ज्यादातर हॉस्पिटल्स में शेफ काफी पहले से ही रखे जाते रहे हैं। अब यह चलन भारत में भी चल पड़ा है । हालांकि अभी यह बड़े हॉस्पिटल्स तक ही सीमित है, लेकिन जैसे-जैसे लोग हेल्थ को लेकर सतर्क हो रहे हैं, हॉस्पिटल्स भी अच्छे शेफों को हायर करने लगे हैं। भविष्य में इस क्षेत्र में भी काफी संभावनाएं हैं।

ठीक-ठाक है सैलरी

एक ट्रेनी को करियर के शुरुआती दौर में दस से पंद्रह हजार रुपये मिलने लगते हैं। अनुभव बढ़ने पर हर महीने 40 से 50 हजार रुपए सैलरी मिलती है। यदि फाइव स्टार होटल में जॉब मिल गई, तो मासिक वेतन एक से दो लाख रुपये या इससे भी अधिक हो सकती है।

विश्वास कीजिए कि आप सबसे बेहतर हैं

हम लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी काम में लगते हैं तो थोड़े समय बाद दूसरे रास्ते ढूंढने लगते हैं। असफलताओं को देखकर पीछे हटना चाहते हैं। समस्याएं बताने लगते हैं। इससे सफलता नहीं मिलने वाली है। जिस लक्ष्य को पाने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें लगे रहिए। दूसरों को देखकर अपने लक्ष्य को न बदलिए, चाहे समय भले कितना लगे। अगर अपनी धुन में लगे रहेंगे तो अभी आप सफलता के पीछे हैं, कुछ दिन में सफलता आपके पीछे जरूर होगी

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि जब वे घर से काम के लिए निकलते हैं तो यह सोच कर निकलते हैं कि वे अपने क्षेत्र में दुनिया में सबसे बेहतर व्यक्ति हैं। उनके जैसा कोई नहीं है। यह उनका आत्मविश्वास है, जो उन्हें हमेशा बेहतर से बेहतरीन होने के लिए प्रेरित करता है। जब हम खुद पर विश्वास कर किसी काम को करते हैं तो हर हाल में सफल हो जाते हैं।

एक कदम नहीं चार कदम आगे

हम लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी काम में लगते हैं तो थोड़े समय बाद दूसरे रास्ते ढूंढने लगते हैं। असफलताओं को देखकर पीछे हटना चाहते हैं। समस्याएं बताने लगते हैं। हर समस्या का हल हमारे पास है। जिस काम में लगे हैं, उसमें लगे रहिए। दूसरों को देखकर अपने लक्ष्य को न बदलिए, चाहे समय भले कितना लगे। अगर अपनी धुन में लगे रहेंगे तो अभी आप सफलता के पीछे हैं, कुछ दिन में सफलता आपके पीछे जरूर होगी।

सोच को बूढ़ा न होने दें

आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि जिसने नई चीज सीखने की इच्छा छोड़ दी, वह बूढ़ा है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण एक राज्य के मुख्यमंत्री ने अपने आसपास जितने लोग थे, सबको बदल दिया और उनकी जगह पर नए लोगों को मौका दिया। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने बताया कि नए लोग नई सोच के साथ आएंगे। इससे सरकार और बेहतर तरीके से काम करेगी। अस्सी वर्ष की उम्र में असफलता के बाद भी उन्होंने अपनी सोच को बूढ़ा व आत्मविश्वास को कम नहीं होने दिया। अगर हम ऐ सा सोचते हैं तो निश्चित रूप से अपेक्षित परिणाम भी मिलते हैं। इसलिए अपनी सोच को कभी बूढ़ा न होने दें।

अपनी अज्ञानता को न छुपाएं

कुछ लोग किसी तरह का हुनर व ज्ञान न होने के बाद भी पूरे विश्वास के साथ बड़ी-बड़ी डींगें मारते हैं। असल में यह बनावटी आत्मविश्वास के आधार पर अपनी अज्ञानता व कमियों को छुपा रहे होते हैं। ऐसे लोगों पर गौर न करें, उनका अनुसरण न करें। धैर्य के साथ मेहनत करते रहें व आगे बढ़ते रहें।

बच्चों से सीखिए

उस बच्चे की खुशी को देखिए, जो पहली बार कुछ नया सीखता है। उस दिन उसकी खुशी व आत्मविश्वास देखने वाला होता है। वह अपनी पहली सफलता की कहानी बार-बार बताता है। उसकी ऊर्जा को देखिए, कामयाब होने के लिए आशावादी, जीवंत व ऊर्जावान बनिए। ऐसा बनें व दिखें कि आपकी ऊर्जा को देखकर दूसरों में भी उठने की ललक पैदा हो।

सफल लोगों के आत्मविश्वास को देखें

अक्सर जीवन में हमारे इर्द-गिर्द कुछ ऐसे लोग होते हैं, जो आपकी नजर में कुछ समय पहले तक कुछ नहीं थे, लेकिन आज वे सफल हैं। वे सफलता की नई कहानियां लिख रहे हैं। उनकी सफलता का एकमात्र कारण उनकी मेहनत व खुद पर विश्वास है। वे कुछ नहीं थे, लेकिन कुछ अलग करना चाहते थे। खुद पर विश्वास व सीखने की ललक के कारण वे दूसरों से बहुत आगे निकल गए हैं। इसलिए उनके आत्मविश्वास को देखें और उनसे कुछ सीखने की कोशिश करें।